प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2019-20

हिंदी (ऐच्छिक) (कोड-002)

कक्षा - XII

अंक योजना

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश:

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं है। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ ।
- मूल्यांकन-कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही यथासंभव किया जाए।
- प्रश्नों के उत्तर यदि बिंदुओं में अपेक्षित हों और परीक्षार्थी अपेक्षा से अधिक बिंदुओं का उल्लेख करे तो सही बिंदु/बिंदुओं पर अंक दें और शेष/अनुपयुक्त बिंदुओं को अनदेखा करें।
- एक ही प्रकार की अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटें जाएं।

क्र. सं.	**संभावित उत्तर संकेत**	**निर्धारित अंक विभाजन**
	खंड-क	
1	**अपठित गद्यांश**	**11**
क	• स्वतंत्रता को घुसपैठियों एवं राष्ट्र विरोधी तत्वों से बचाना • कठिन और लंबे संघर्ष से स्वतंत्रता की प्राप्ति	2
ख	राष्ट्रीय अस्मिता से संबंधित मुद्दों के प्रति सचेत एवं गतिशील बने रहना	2
ग	देश की सुरक्षा एवं समृद्धि, इनसे ही नागरिकों के अधिकार की स्थापना	2
घ	व्यक्ति और संसार में कोई भेद नहीं इसलिए दोनों के मिलकर चलने में ही कल्याण	2
ङ	स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए, जनता के अधिकारों की रक्षा	2
च	हमारा कर्तव्य/राष्ट्र और नागरिक (अन्य उचित शीर्षक भी स्वीकार्य)	1
2	**अपठित काव्यांश**	1×5=5
क	उनके प्रयासों की सराहना हेतु	1
ख	ऐसे लोग ही बड़ी खोज और व्यापक परिवर्तनों के कारण	1

ग	हर कदम/प्रयास में उत्साह	1
घ	समाज के लिए अपना बलिदान देने वालों को भी	1
ङ	सांसारिक बाधाओं को पार कर बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ने वाले	1
	अथवा	
क	शासन/सत्ता का	1
ख	बाढ़, सूखा और निर्धनता (किसी एक का उल्लेख अपेक्षित)	1
ग	अपने ही सुखों में मग्न रहने के कारण	1
घ	ग्रामीण युवतियों को जो निर्धनता और अभाव में जीने के लिए मजबूर हैं	1
ङ	देश में निर्धनता और अभाव लेकिन दिल्ली की सरकार उनसे बेखबर	1
	खंड - ख	
3	दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर 120-150 शब्दों में रचनात्मक लेखन - विषय-वस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक कल्पनाशीलता - 1 अंक	5
4	पत्र-लेखन (80-100 शब्दों में) आरम्भ और अंत की औपचारिकताएं - 1 अंक विषय-वस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक	5
5	सभी प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर 15-20 शब्दों में अपेक्षित -	1×5=5
क	छपे शब्दों में स्थायित्व, अपने समय और गति से कहीं भी पढ़ने की सुविधा	1
ख	निश्चित क्रम और गति से हमेशा वर्तमान में प्रसारित	1
ग	बातचीत के टुकड़े या कथन को	1
घ	किसी निश्चित अंतराल या नियमित रूप से समाचार पत्र या पत्रिका के लिए किया जाने वाला लेखन	1
ङ	खोजी रिपोर्ट, इनडेफ्थ रिपोर्ट, विश्लेषणात्मक रिपोर्ट, विवरणात्मक रिपोर्ट (किन्ही दो का उल्लेख अपेक्षित)	1
6	(80-100 शब्द अपेक्षित) नाटक को प्रारंभ से लेकर अंत तक एक निश्चित समय सीमा में पूरा होना होता है, भूत काल या भविष्य काल में विस्तारित नाटक को सदैव वर्तमान में ही घटित होना अनिवार्य है। नाटक के प्रवाह को स्थगित नहीं किया जा	5

	सकता है। दर्शकों द्वारा नाटक देखने की क्षमता (समय सीमा) का भी प्रभाव नाटक लेखन पर **अथवा** फीचर लेखन (80-100 शब्द) विषय-वस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक प्रस्तुति - 1 अंक **अथवा** समाचार लेखन (80-100 शब्द) विषय-वस्तु - 3 अंक भाषा एवं प्रस्तुति - 1 अंक उल्टा पिरामिड शैली का निर्वहन - 1 अंक	
	खंड - ग	
7	काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या (120-150 शब्दों में) कवि और कविता का नाम - ½ + ½ पूर्वापर प्रसंग - 1 व्याख्या - 5 विशेष - 1	8
8	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (30-40 शब्दों में)	2×2=4
क	दिन छोटे और राते लंबी होने लगी, शीत का प्रभाव, नायिका के लिए विरह के दिन कठिन और कष्टप्रद	
ख	यह केवल एक भाग्यहीन पिता के संघर्षों से उपजी वेदना ही नहीं वरन समाज की बेहतरी के लिए काम करने वाले युगचेता कवि निराला की समाज द्वारा की गई उपेक्षा को भी प्रकट करती	
ग	आधुनिक जीवन शैली पर व्यंग्य कि वसंत के आने की सूचना कलेंडर से एवं वसंत के सौंदर्य का ज्ञान भी कविताओं के अध्ययन द्वारा ही।	
9	(80-100 शब्दों में अपेक्षित) काव्य सौन्दर्य (किसी एक काव्यांश का काव्य सौंदर्य अपेक्षित) भाव सौंदर्य - 2 अंक शिल्प सौंदर्य - 2 अंक	4

10	गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या (80-100 शब्दों में) लेखक और पाठ का नाम - ½ + ½ पूर्वापर प्रसंग - 1 व्याख्या - 2 विशेष - 1	5
11	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (60-70 शब्दों में)	3×2=6
क	साहित्य यदि केवल दर्पण होता हो समाज को बदलने की बात नहीं होती, दर्पण केवल सामने दिखने वाली वस्तु का प्रतिबिंब करता है लेकिन साहित्य वर्तमान यथार्थ के साथ ही भविष्य की ओर उन्मुख, साहित्य द्रष्टा और स्रष्टा के रूप में प्रजापति की भूमिका में	3
ख	संवाद कष्टदायक, ग्रामीण मर्यादा एवं संवेदना के विपरीत, बड़ी बहुरिया द्वारा गांव को छोड़कर चले जाने का भय, गांव की बदनामी की आशंका	3
ग	यह एक व्यंग्य कथन, वास्तव में धर्म के रहस्य को जानने का हम सभी अनुयायियों को, धर्म पर मुट्ठीभर लोगों का एकाधिकार अनुचित	3
12	किसी एक लेखक अथवा कवि का साहित्यिक परिचय संक्षिप्त जीवन परिचय - 2 रचनाएं - 1 साहित्यिक विशेषताएं एवं योगदान - 2	5
13	किन्हीं तीन प्रश्न का उत्तर अपेक्षित (80-100 शब्दों में)	4×3=12
(क)	बिस्कोहर का जीवन पूर्णत: प्रकृति पर निर्भर, शरद एवं वर्षा ऋतु के विविधि दृश्यों एवं उनके साथ ग्रामीण जीवन के संघर्षों का अंकन, अनेक प्रकार के फूल-फल, सब्जियों एवं विविध प्रकार की वनस्पतियों के साथ पलता जीवन	4
(ख)	अपने अंधेपन के कारण सूरदास का जीवन बाधाओं से घिरा, भीख मांग कर गुजारा, पड़ोसियों द्वारा प्रताड़ना का शिकार, नित अपमान का सामना, धन चोरी हो जाना (उपरोक्त बिन्दुओं के आधार पर विद्यार्थियों के स्वतंत्र तर्कपूर्ण उत्तर पर अंक दिए जाएँ ।)	4
(ग)	• वर्तमान सभ्यता में भोग पर बल, • प्रकृति का निर्मम दोहन, • पर्यावरण असंतुलन, • धरती के तापमान में वृद्धि आदि	4

	(उपरोक्त बिन्दुओं के आधार पर दिए गए तर्कपूर्ण उत्तर पर अंक दिए जाएँ)	
(घ)	विराट प्रकृति के समक्ष असहाय व्यक्ति के रूप में भूपसिंह, आपदाओं की विभीषिका का उल्लेख करते हुए उसका सामना करने, लड़ने एवं नए निर्माण के लिए संकल्पित होना (दिए गए स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)	4
(ङ)	सूरदास में निर्णय लेने की क्षमता है, विषम परिस्थितियों में हार नहीं मानना, सहनशील है, निराशा की प्रवृत्ति से उबरने की कोशिश, कर्म शील है एवं प्रतिशोध की भावना से दूर	4